चलू हम तँ ठीक छी ने!At Least I'm Okay!(Maithili-English)



Author: Alison Byrnes Illustrator: Alison Byrnes Translated into Maithili by Gajendra Thakur

English, Maithili

Story Book

चलू हम तँ ठीक छी ने!At Least I'm Okay!(Maithili-English)

Author: Alison Byrnes Illustrator: Alison Byrnes Translated into Maithili by Gajendra Thakur

Translator Gajendra Thakur is editor of Videha, Ist Maithili Language Fortnightly eJournal ISSN 2229-547X at www.videha.co.in

English, Maithili

At Least I'm Okay!
Author: Alison Byrnes Illustrator: Alison Byrnes Translated into Maithili by Gajendra Thakur

GGKEY:03YTKNLQRB2



पहाड़ी बकड़ी उना साकूलैण्डमे रहै छलि। साकूलैण्ड एकटा सुन्दर देश छलै। ऐ देशमे समुद्रक तट, बोन, घाटी आ पहाड़ सभ किछु छलै।Una, the mountain goat, lived in Sakuland. Sakuland was a wonderful country. It stretched from the shores of the sea to the forests, from the valleys to the mountain.



जानवर सभकेँ साकूलैण्ड बड्ड पसिन्न। ओतऽ खरहा आ हरिण लेल घास छलै, चिड़ै आ भालु लेल कीड़ी आ मगड़मच्छ आ बनबिलाड़ लेल माँछ। आ ओतऽ छलै निर्मल आ ठंढ़ा पानि, आ से सभक लेल। The animals loved Sakuland. There was grass for the rabbits and the deer, insects for the birds and the bears to snack on, and fish for the crocodiles and wild cats. There was clear, cool water for everyone.

उना पहाड़पर सभसँ ऊँचगर स्थानपर रहैत छलि। ऊँच-नीँच धरा, पथरगर, नमगर आ कठिन रस्ता, आ तँइ ओकरा लगमे दोसर जानवर संग भेँट-घाँटक पलखति नै छलै आ ओकरा असगरे रहबाक आदति भऽ गेल छलै। आ ओकरा ई नीको लागै छलै, ओकरा जे मोन जखन मोन से कऽ सकैत छलि।
कखनो काल उनाकेँ बुझाइ जे दोसर सभ कने बुरबक अछि। ओकरा सभकेँ सभ चीज संगे किए करऽ पड़ैत छै? की ओ सभ असगरे धारक कात नै जा सकैत अछि? हम तँ असगरे जाइ छी, उना सोचलक।
सभ जानवरक काज करबाक अलग तरीका छलै मुदा उनाकेँ बुझाइ छलै जे ओकर तरीका सभसँ नीक छै।
Una lived high above the others, on top of a mountain. The climb up and down the rocky mountain trails was long and difficult. She didn't spend too much time with the other animals, and got used to being alone. She rather liked it – she could do whatever she wanted, whenever she wanted.
Sometimes Una thought that the others were a bit silly. Why do they always have to do everything together? Can't they go to the stream by themselves? I do, thought Una.

All the animals had ways they liked to do things. But Una thought her ways were the best.



आस्ते-आस्ते साकूलैण्डक मौसम बदलय लगलै, मुदा जानवर सभ ऐपर काने-बात नै दै छल। एक दिन ह्वेल सभ, जे ओतुक्का पानिमे बर्खक बेशी समय बितबै छल, घोषणा केलक जे ओ सभ आब दोसर ठाम जा कऽ रहत।

Slowly, Sakuland's climate began to change, but the animals weren't really paying attention. One day, the whales who spent most of the year in Sakuland's waters announced that they were going to live someplace else.



"किए?" काछु सभ पुछलक। "एत्तऽ कत्ते नीक तँ सभटा अछि।"
"एतुक्का पानि हमरा सभ लेल आब कने बेशी गर्म भऽ गेल अछि", ह्वेल सभ बाजल। "हमरा सभकेँ कने आर उत्तर जाय पड़त जतय कने बेशी ठंढ़ छै।"
ह्वेल सभकेँ ठंढ़ा पानिमे रहनाइ पसिन्न छलै मुदा साकूलैण्डक पानि आब कने बेशी गर्म भऽ गेल छलै।
काछु सभ आब ह्वेल सभक नीक गीत नै सुनि सकत। मुदा ओ सभ तकर बेशी मनन नै केलक। कमसँ कम हम सभ तँ ठीक-ठाक छी, काछु सभ सोचलक।
"मैँ, मैँ", उना मिमियाइत अपनासँ कहलक। "हमरा लेल कने ठंढ़ा बा कने गरम एक्के रङ! ओकरो सभकेँ हमरे सन रहबाक चाही।"
“Why?” asked the turtles. “It’s quite nice here.”
“The water has become a bit too warm for us,” said the whales. “We will have to go further north where it’s cooler.”
The whales liked to live in cool waters and Sakuland’s water was now too warm.

The turtles would miss the beautiful songs sung by the whales. But they didn’t think too much about it. At least I’m okay, the turtles thought.
“Picky, picky,” muttered Una to herself. “I don’t mind if it’s too hot or cold! They should be more like me.”



कनी दिनमे सभ जानवर ह्वेल सभकेँ बिसरि गेल। मुदा एक दिन काछु सभ सेहो देशकेँ छोड़ि बिदा भेल।
"किए?" बनबिलाड़ सभ पुछलक। "अहाँ सभ तँ एतऽ प्रसन्न बुझाइ छलौं।"
"आब रेतक एतऽ पते नै अछि", काछु सभ बाजल जे समुद्र कातक रेतमे अपन अण्डा दइ छल।
उना काछु सभकेँ जाइत देखलक आ सोचलक जे पानिक नीचाँसँ रेत निपत्ता भेलोसँ ओकरा कोन अन्तर पड़तै? काछु सभकेँ कतऽ रही नै रही से विचारबा लेल ओकरा सन बुझनुक हेबाक चाही। उना चिबबय लेल घासक खोजमे बिदा भेलि आ सभटा बिसरि गेलि।

Everyone soon forgot about the whales. But one day, the turtles started to pack up and leave.
“Why?” asked the wild cats. “You always seemed happy here.”
“There’s hardly enough sand left for us,” said the turtles, who laid their eggs on the sandy beach.

Una saw the turtles leave and thought, What difference does it make to me if the sand disappears under water? The turtles should have been smart like me when deciding where to live. Una went looking for some grass to snack on and forgot about the whole matter.



तकर बाद बनबिलाड़ सभ देश छोड़ि देलक कारण ओकरा सभकेँ धारमे नीक माँछ भेटबे नै करै। माँछक कमी भऽ गेलै। कतेक कष्ट भेलै बनबिलाड़ सभकेँ, मुदा छोड़ू कमसँ कम हम सभ तँ ठीक छी, हरिण सभ सोचलक।
उना जइ धारसँ पानि पिबैत छल ओ ओइ दिस तकलक।
"बनबिलाड़ सभ अक्खज तँ होइये मुदा हमरा सन मजगूत ओ सभ नै अछि।"
Then the wild cats left. They couldn't catch nice fish anymore in the stream. It had become just a trickle. The deer thought, Oh, how terrible for the wild cats. But at least I'm okay.
Una looked over at the stream where she drank.
"The wild cats are pretty tough, but they must not be as tough as me."





एक दिन उना एकटा नव गप देखलक। सभ साल ओकर पहाड़क बर्फ, बर्फक गोला सन पघलि जाइ छलै आ ओइसँ ओतुक्का धार पानिसँ भरि जाइ छलै। मुदा ऐ बेर कम बर्फ छलै। उनाकेँ भेलै जे की जानि की छिऐ, " भऽ सकैए जे आइए एना लागि रहल अछि।"

One day, Una noticed something strange. Every year, the snow on her mountain would melt, just like an ice cube, and fill up her stream. But now there was less snow. Una wasn’t quite certain and thought, "Maybe it just looks that way today".



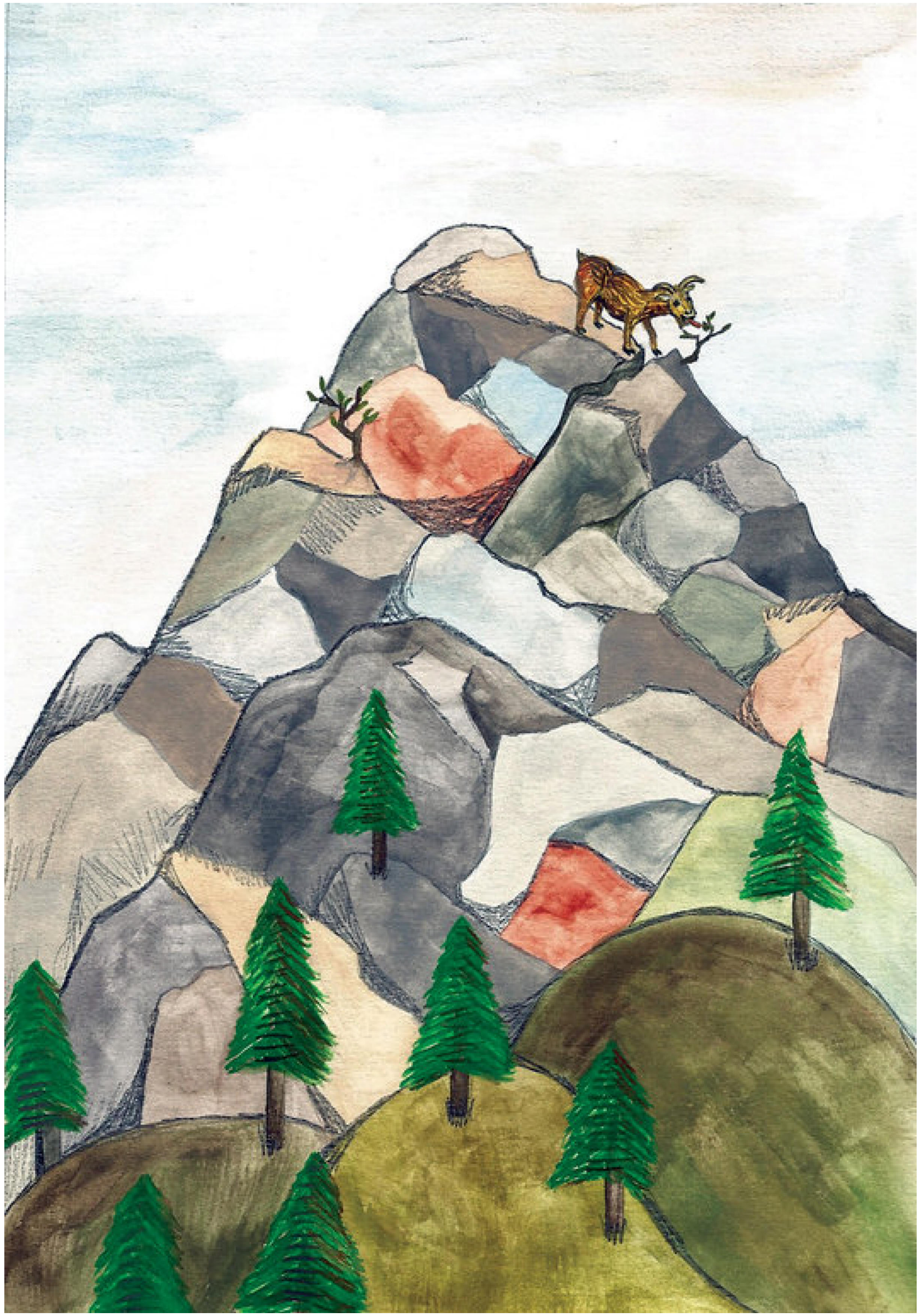
मुदा तकरा बाद अजीबे सन जानवर सभ साकूलैण्ड आबऽ लगलै। सभ गाय सङ प्रेमसँ व्यवहार करैत छल, मुदा ई नव जानवर सभ लेल धैन सन। ओ सभ घासकेँ धांगैत आ चिबबैत रहल आ ओ सभ रहबो करय मारते रास।

But then strange animals began to come to Sakuland. Everyone tried to be friendly to the cows. But the newcomers didn’t take much notice – they kept munching the grass and chewing it and chewing it some more. And there were so many of them!

हरिण सभ घास कम भेलासँ प्रसन्न नै छल आ घासक कमीक कारण ओकरो सभकेँ साकूलैण्ड छोड़य पड़लै। ओकरा सभकेँ देखबाक चाही जे हमरा कखनो काल की खाय पड़ैत अछि.. हूँ... उना सोचलक। कखनो काल तँ पाथर परक कजरी हमरा चाटय पड़ैत अछि। ई कतेक दुखद अछि। जतेक दिन भऽ सकलै उना पहाड़पर रहल मुदा कहियो काल तँ एहन होइ छलै जे ओकरा लग ने खाइ लेल किछु होइ छलै नहिये पीबै लेल।

The deer were not too happy when the grass began to disappear. Slowly, the deer had to go outside Sakuland to find enough of the grass they liked. Hmmm... they should see what I have to eat at times, thought Una. Sometimes I have to lick the lichens on rocks. Not pleasant at all.

Una stayed on her mountain as long as she could, but she often found herself, without enough to eat or drink.



आ ओइ कठिन पहाड़ी रस्तासँ ओकरा पहाड़सँ नीचाँ दिस उतड़ैये पड़लै। ओ पहाड़ी पर किछु घास खेलक मुदा से ओहेन स्वाद बला नै छलै जकर ओकरा आदति छलै। ओकरा घाटीमे एकटा धार भेटलै मुदा ओइ धारक पानिक स्वादमे ओ बात कतऽ? आब उनाकेँ बुझेलै जे किए सभ जानवर ओइ इलाकासँ चलि गेल, ई जरूरी छै जे जेहन भोजन अहाँकेँ चाही से भेटय आ पानियो लग-पासमे रहय।

Finally, hungry and thirsty, Una climbed down the difficult mountain path. She tasted some of the grass from the hills, but it wasn't the kind she liked. She found a stream in a valley, but the water's taste was not as crisp as she was used to. Now Una realised why the other animals had left – it's very important to eat the food that suits you best and have water nearby.



जइ जानवर सभकेँ ओ चिन्हय छल ओ सभ साकूलैण्ड ऐ दुआरे छोड़लक कारण जे भोजन ओकरा सभकेँ चाही छलै से आसानीसँ नै भेटै छलै बा ओ सभ धारक सुखेलासँ पियासल रहय लागल छल बा ओकर सभक निवास जइ गाछमे छल से दोसराक घर बनेबा लेल काटि देल गेल। उना आ ओकर दोस्त सभकेँ लागै छलै जे चलू ई ओकरा सभ लेल दुखद छै मुदा ओ सभ तँ अखन धरि सुरक्षित अछि। जखन समुद्र गर्म भऽ गेलै तँ ह्वेल सभ ओतऽ सँ सुरक्षित स्थान तकबा लेल चलि गेल। काछु, हरिण आ उना बादमे एकाएकी बुझलक जे आब ओकरो सभ लेल समस्या छै। उनाकेँ आब बुझेलै जे लग-पासमे मित्र सभक रहनाइ जरूरी छै। आ आब ओ अनका सभकेँ तकबा लेल कृतसंकल्पित छल।

The animals she knew had left Sakuland when they couldn’t find their favourite food easily, or when they were too thirsty because the stream had slowed down to a muddy trickle, or when their home trees were cut down to build homes for others. Una and her friends thought at least it’s not me when changes affected someone else. As the oceans became warmer, the whales left in search for a more suitable home. The turtles, the deer, and Una couldn’t care less. But later, they had to admit now it IS me. Una had to admit that having friends nearby is a necessity. She was determined to go find the others.



कमसँ कम हम तँ अखन धरि नै.. उना आ ओकर संगी-साथी साकूलैण्डमे रहै छथि आ ओ सभ वएह मौसम-परिवर्तनक दुष्परिणाम सहि रहल छथि जे हम सभ भोगि रहल छी। मनुक्ख सभ ग्रीन-हाउस गैस बड्ड जड़ा रहल छथि, कोइला आ तेलसँ कार्बन डाइऑक्साइड बहार होइए। गाछ कटलासँ सेहो कार्बन डाइऑक्साइड बहार होइए, फेर मिथेन जे गाय सभ फार्ममे छोड़ैए, तखन कार आ दोसर वाहनसँ नाइट्रस ऑक्साइड बहार होइए। ई सभ ग्रीन हाउस गैस वायुमण्डलमे मिज्झर होइए आ ऐ सँ ग्लोबल वार्मिङ्ग होइत अछि आ मौसम-परिवर्तक ई कारण बनैए। ई ग्रीन हाउस गैस सभ वायुमण्डलसँ बेशी गरमी बाहर जाइए नै दैत अछि आ तइसँ ध्रुव सभक बर्फ पघलि कऽ समुद्रक पानिक स्तरकेँ ऊँच करैए।

मौसम परिवर्तनक कारणसँ.. जखन बोन काटल जाइत अछि, ओइ सँ वायुमण्डलमे कार्बन डाइऑक्साइडक मात्रा बढ़ैत अछि। जानवर सभकेँ जंगल (ओकर सभक अपन घर) छोड़ऽ पड़ैत छै आ भोजन लेल दूर जाय पड़ैत छै। किसान सभ बर्खाक अनियमितताक कारण ढंगसँ खेती नै कऽ पबैत छथि। ओ बेशी काल बीआ बाउग तँ करैत छथि, रोपैत तँ छथि मुदा बर्खा नै भेने हुनकर सभक फसिल खराप भऽ जाइ छन्हि! मौसमक पूर्वानुमान नै भेलाक कारण मनुक्खपर सेहो प्रभाव पड़ैत अछि जेना बिर्रो, बाढ़ि आ सूखामे लोककेँ अपन घर-द्वार छोड़य पड़ैत छन्हि।

At least it's not me... Una and her friends who live in Sakuland are facing climate change, just like we are. Human beings are burning more and more Green Houses Gases (GHG) – there's carbon dioxide from coal and oil. Carbon dioxide is also released when we cut trees, then methane which cows that live in farms burp out, and nitrous oxides from cars and other vehicles. These Green House Gases are added to the atmosphere and that is causing global warming and changing the climate. As more heat is trapped in the atmosphere by the GHGs, the ice in the poles is melting and sea levels are rising.

Because of Climate Change... When forests are cut down, they add to the carbon dioxide level in the atmosphere. Animals also lose their homes, the forest, and they have to go to far-off places in search of food. Farmers are not able to grow their crops properly because of erratic rainfall. Often, they sow the seeds but there's no rain, and their crops fail. Imagine a world without mango or chocolate because there was no rain or too much rain and the crop failed! Unpredictable weather also affects human beings. For example, during storms, floods, or droughts, people lose their homes.